**प्रतिवादी की ओर से अतिरिक्त जवाबदावा**

**(Additional written statement on behalf of defendant)**

न्यायालय............

S.C.C. वाद नंबर ............ सन् ............

अ०ब०स० ............ वादी

**बनाम**

स०द० फ० ............ प्रतिवादी

1. यह कि संशोधित वाद पत्र का पैरा 2 क में जो कहा गया है वह स्वीकार नहीं है । यह सत्य है कि किरायेदारी का करार प्रतिवादी द्वारा वादी के साथ वर्ष ............ में किया गया था जिसने अपने आप को म०नं० ............ का स्वामी और मकान मालिक बतलाया था और किरायेदारी के अधिकार प्रतिवादी द्वारा वर्ष ............ में समर्पित कर दिये गये थे जैसा कि ............ द्वारा स्वीकार किया गया है। प्रतिवादी को कोई जानकारी इसबात की नहीं है कि उक्त सम्पत्ति वादी द्वारा क्रय कर ली गई है और वादी गणों को यह सिद्ध करना आवश्यक है कि वे उक्त मकान के वास्तविक स्वामी और मकान मालिक हैं । वादियों द्वारा यह कहना बिल्कुल झूठ है कि प्रतिवादी द्वारा अपने ङ्केप और स्वाभाविक व्यवाहार से समय-समय पर उक्त कार की क्षारसः पालन किया जाता रहा है ।

जो कि श्री ............ के जीवन काल में विद्यमान रहा था अथवा वाद पत्र के पैरा में जो कहा गया है वह पुष्टिकृत था। वास्तव में उपरोक्त मकान की किरायेदारी के सम्बन्ध में प्रतिवादी और वादी के मध्य कोई वास्ता कभी करार के विद्यमान होने का नहीं रहा । वादी गणों द्वारा कोई विस्तृत विवरण इस सम्बन्ध में नहीं दिया गया कि किस प्रकार से किरायेदारी के करार का कथित सम्बन्ध रहा था

और अभी भी जारी है और किस प्रकार उसकी पुष्टि की गई थी। जो कुछ भी अस्वीकार है उससे विशेष रूप से इन्कार है।

1. यह कि पनावृत्ति की जाती है कि वाद पत्र के सत्यापन की तिथि इसके दायर करने की तिथि स भिन्न है । वादी का क्लेम सत्यापन के दिनांक से काल बाधित है और इस प्रकार वाद इस आधार पर निष्फल होने योग्य है । वाद पत्र के संशोधन से काल बाधित होने का अभिकथन अप्रभावित है।

**…….... प्रतिवादी**

**सत्यापन**

मैं कि ............ प्रतिवादी............. का सत्यापित करता हूँ कि अतिरिक्त जवाब दावे के परा 1 का कथन मेरी निजी जानकारी में सत्य है और पैरा 2 का कथन कानूनी सलाह के आधार पर है जो मेरे विश्वास में सत्य और सही है ।

**प्रतिवादी......**

सत्यापित - दिनांक ............ दिन ............ स्थान